N. L. Dalmia
High School
(A School of Excellence of N. L. Dalmia Educational Society)
ICSE - ISC
ISO 9001:2015

FIRST PRELIMINARY EXAMINATION

Std- X	HINDI	Marks: 80 / Pgs 7
Date: 27.11.2020		Time: 3 hrs

Answers to this Paper must be written on the paper separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A (40 Marks)

Attempt all questions

Question 1

Write a Short Composition in Hindi of approximately 350 Words on any one of the topics below:

1.निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग हिंदी में 350 शब्दों में निंबध लिखिए । **(15)**

1. वैज्ञानिक शोधों ने यह साबित कर दिया कि आधुनिक जीवन में मानव को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में योग ही सक्षम है ।इस विषय पर पक्ष और विपक्ष में निबंध लिखिए ।
2. समाज में शिक्षा का स्तर तो बढ़ता जा रहा है लेकिन फिर भी बेरोजगारी की समस्या ने , संपूर्ण देश को झकझोर दिया है । इस विषय पर अपने विचार लिखिए ।
3. घर प्रारंभिक पाठशाला होती है और माता-पिता प्रथम शिक्षक। विद्यालय में शिक्षक ही माता - पिता की भूमिका निभाते हैं। शिक्षक और छात्रों के परस्पर संबंधों और दायित्वों को समझाते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।
4. " **वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे** " एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो ।

Cont.pg 2

5. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान पूर्वक देखिए और एक सारगर्भित प्रस्ताव लिखिए-

Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words from any one of the following topics given below:

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में 120 शब्दों में पत्र लिखिए । (7)

1. आपका मित्र विदेश में रहता है कोरोना काल में उसकी नौकरी छूट गई है मित्र को धैर्य बंधाते हुए एक पत्र लिखिए।
2. देश में बढ़ती (खद्य पदार्थ) मिलावट पर चिंता व्यक्त करते हुए दैनिक समाचार -पत्र के संपादक को एक पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as for as possible:-

निम्नलिखित गदयांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।

एक चोर किसी मंदिर का घंटा चुराकर ले गया था। वन में जाते हुए उसका सामना बाघ से हो गया और चोर बाघ के द्वारा मारा गया। उसी वन में वह घंटा बंदरों के हाथ में पड़ गया। वन बहुत घना था। बंदर झाड़ियों के अंदर रहते थे। जब उनकी मौज होती, वे घंटा बजाते।

Cont.pg 3

घंटे की आवाज सुनकर समीप के नगर में यह अफवाह फैल गई कि जंगल में भूत रहता है और उसका नाम घंटाकरण है। उसके कान घंटे के समान हैं, जब वह हिलता है, तो कानों से घंटे की आवाज़ आती है। इस अफवाह से लोग ऐसे भयभीत हुए कि जंगल की ओर भूलकर भी कोई न जाता था। सब जंगल से दूर-दूर ही रहते थे। जंगल से लकड़हारे लकड़ियाँ न लाते थे, चरवाहे जंगल में पशुओं को चराने न ले जाते थे । किसी में इतना हौसला न था कि जंगल में जाने का प्रयत्न कर पाता।

इस प्रकार सारे का सारा जंगल किसी भी काम में न आकर कल्पित घंटाकरण भूत की राजधानी बन गया। अब तो राजा को भी बड़ी चिंता हुई। उसने सयानों और जादूगरों को इकट्ठा किया और कहा कि भाई इस भूत को जंगल से निकालो, वरना सारा जंगल और हजारों रुपये की सालाना आमदनी बेकार हाथ से जा रही है। सब लोगों ने अपने-अपने उपाय करने प्रारंभ किए। पंडितों ने चंडी का जाप किया, हनुमान चालीसा का पाठ किया। मुल्लाओं ने कुरान का पाठ आरंभ किया। किसी ने भैरों को याद किया, किसी ने काली माता की मन्नत की, किसी ने पीर-पैगंबर को मनाया, किसी ने जादू-टोना किया। इस पर भी घंटाकरण किसी के काबू में न आया। घंटे का शब्द सदा की भाँति सुनाई देता रहा और लोग समझते रहे कि घंटाकरण घंटा बजा रहा है।

तभी एक चतुर मनुष्य उधर कहीं से निकला। वह भूत-प्रेत, चंडी-मुंडी, पीर-पैगंबर, जादू-टोने आदि कपोल-कल्पित मिथ्या बातों पर विश्वास नहीं करता था। उसने विचारा किया वन में हो न हो कोई विशेष बात होगी। संभव है कि वन में डाकू रहते होंगे और उन्होंने वन को अपने रहने के लिए सुरक्षित बनाने को यह पाखंड रचा हो या कहीं बंदरों के हाथ में घंटा न पड गया हो। ऐसा दृढ़ निश्चय कर वह चतुर मनुष्य साधु का वेश धर कर जंगल में घुसा। अंदर जाकर देखा तो उसने अपने अनुमान को सही पाया। लौटकर उसने नगर निवासियों से कहा, "भाइयो! मैंने भूत को पकड़ने का उपाय विचार लिया है। आप लोग मुझे एक गाड़ी भुने चने दें, तो मैं कल ही भूत को पकड़ लेता हूँ।"

नगर के निवासी और राजा भूत के नाश के लिए सब कुछ करने को तैयार थे, झटपट सब सामान इकट्ठा कर दिया। चतुर मनुष्य ने जंगल में जाकर चने बंदरों के आगे डाल दिए। इधर सब बंदर चने खाने में लगे, उधर उसने घंटा उठा कर नगर की राह ली। अब क्या था, सारे नगर में और राजसभा में उस चतुर मनुष्य को बड़ा आदर मिला, फिर उसने सब भेद खोलकर लोगों के मिथ्या विश्वास को तोड़ा। उन्हें भ्रम के भूत से मुक्ति दिलाई।

Cont.pg 4

इस कहानी के समान अनेक बातों के भ्रम में पड़कर मनुष्य ने भूत- प्रेत, जादू-टोना आदि अनेक प्रकार की कल्पनाएँ कर ली हैं। लोग भय और मिथ्या विश्वास के कारण वास्तविकता का पता नहीं लगाते हैं और झूठे उपाय कर-करके थकते हैं। वास्तव में भूत-प्रेत आदि यह सब ठग-लीला है। जादू-टोने सब लूटने-खाने के बहाने हैं। इनसे सदा बचने में ही मानव की भलाई है। मिथ्या विश्वास से ही मनुष्य तरह-तरह के कष्टों में पड़ जाता है। अतः यथासंभव मिथ्या विश्वास दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए।

प्रश्न-

(1) नगर में क्या अफवाह फैल गई थी और इस अफवाह का क्या कारण था ? (2)

(2) जंगल किसकी राजधानी बन गया था ? इससे नगर निवासियों पर क्या प्रभाव पड़ा ? (2)

(3) राजा की चिंता का क्या कारण था ? भूत को जंगल से निकालने के क्या-क्या उपाय किए गए ? (2)

(4) चतुर मनुष्य का क्या अनुमान था ? उसने नगर निवासियों को भूत से किस प्रकार मुक्ति दिलाई ? (2)

(5) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली ? (2)

Question 4 व्याकरण-

Answer the following according to the the instruction given:-

1.निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । **(1)**

1. छाया 2. जय

2.निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक का दो पर्यायवाची शब्द लिखिए । **(1)**

1. बच्चा 2. भ्रम

3.निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा लिखिए। **(1)**

1.ठग 2.वकील

4.निम्नलिखित शब्दों की विशेषण लिखिए। **(1)**

1.श्रम 2. भूत

Cont.pg 5

5.निम्नलिखित मुहावरे या लोकोक्ति में से किसी एक का अर्थ सहित वाक्य प्रयोग कीजिए । (1)

1. सिर उठाना 2.काला अक्षर भैंस बराबर

6.निर्देशानुसार वाक्यों को परिवर्तन कीजिए –

1.गीता ने पाठ पढ़ा। **(वर्तमान काल में बदलिए)** (1)

2. मैंने मेरा काम कर लिया।**(शुद्ध वाक्य में बदलिए)** (1)

3. गरीबों का जीवन कष्टों से भरा है। (**' जिंदगी ' शब्द प्रयोग कीजिए का)** (1)

SECTION B (40 Marks)

(कोई चार प्रश्न कीजिए)

Question 5

answer in Hindi four questions from atleast two of the prescribed book:-

निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पड़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सब जगह इस प्रकार प्रचार हो गया और भेड़ों को विश्वास हो गया कि भेड़िए से बड़ा उनका कोई हित-चिंतक और हित-रक्षक नहीं है।

प्रश्न-

1.नीले सियार ने भेड़ और भेडिए में क्या समानता बताई ? उसके अनुसार भेड़िए क्यों बदनाम थे ? (2)

2.पंचायत में भेड़ों की सुरक्षा के लिए भेड़िए ने क्या कानून बनाया ? इस कानून से आपको क्या पता चलता है ? (2)

3. इस पाठ में निहित व्यंग्य पर अपने विचार प्रकट कीजिए। (3)

4. भेड़ें और भेड़िए इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? (3)

Cont.pg 6

Question 6

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए।

प्रश्न-

1. हालदार साहब ने ऐसा क्या देखा कि वे अवाक् रह गए ? (2)
2. पानवाले का चरित्र-चित्रण कीजिए। (2)
3. उपर्युक्त उक्ति की पृष्ठभूमि बताइए। (3)
4. पानवाले के उस देशभक्त के बारे में क्या विचार थे ? (3)

Question 7

दोनों भाइयों को गले मिलते देखकर आनंद से पुलकित हो गए और बोल उठे- बड़े घर की बेटियाँ ऐसी ही होती हैं।

प्रश्न-

1. उपर्युक्त गद्यांश की पृष्ठभूमि बताइए। (2)
2. दोनों भाई कौन थे उनका चरित्र-चित्रण कीजिए। (2)
3. आनंदी अपने-आप को किस लिए कोस रही थी उसने अपनी गलती का सुधार कैसे किया (3)
4. बड़े घर की बेटी पाठ का उद्देश्य बताइए। (3)

(एकांकी संचय)

Question 8

9."माँ, संतान का पालन माँ-बाप का नैतिक कर्तव्य है। वे किसी पर एहसान नहीं करते, केवल राष्ट्र का ऋण चुकाते हैं। वे ऋणमुक्त हो, यही उनका परितोष है। इससे अधिक मोह है, इसीलिए पाप है।"

प्रश्न-

1. 'संस्कार और भावना' एकांकी के शीर्षक का औचित्य बताइए। (2)
2. यहाँ पर किसे पाप बताया जा रहा है और क्यों ? ये विचार किसके हैं? (2)

Cont.pg 7

3. माँ क्या प्राप्त करना चाहती थीं और क्यों? (3)

4. वक्ता ने उक्त कथन किस संदर्भ में कहा है? (3)

Question 9

कहा करता हूँ बेटा कि एक बार वृक्ष से जो डाली टूट गई, उसे लाख पानी दो, उसमें सरसता न आएगी और हमारा यह परिवार बरगद के इस महान पेड़ की भाँति है.......

प्रश्न-

1. उपर्युक्त गद्यांश का वक्ता कौन है उसका चरित्र-चित्रण कीजिए। (2)

2. दादा जी अपने परिवार की तुलना बरगद के पेड़ से क्यों कर रहे हैं वे बरगद के पेड़ को महान क्यों कर (2)

3. इस एकांकी के माध्यम से एकांकीकार क्या संदेश देना चाहता है (3)

4. वक्ता अकसर किस बात से सिहर उठते हैं (3)

Question 10

क्या तुलजा भवानी के सामने नाचना कोई बुरी बात है ? आज हम लोगों ने दीप-दान देखते रहे। नाच

प्रश्न-

1. यहाँ वक्ता और श्रोता कौन हैं ? वक्ता श्रोता के पास क्यों आई है? (2)

2. वक्ता श्रोता को बनवीर के बारे में क्या बताती है ? (2)

3. वक्ता के श्रोता के बारे में क्या विचार हैं? (3)

4. एकांकी के शीर्षक को सार्थकता बताइए। (3)

****